## • कविताएं...

### आए बादल

बहुत दूर से आए बादल
सागर से पानी लेकर
आसमान में छाए बादल
भूरे - भूरे, काले - काले
सबके मन को भाए बादल
श्वेत - सुरमई रंगों में
जैसे खूब नहाए बादल
पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण
दिशा - दिशा लहराए बादल
घनी - अन्धेरी रातों में
बादल राग सुनाएँ बादल
झूम -झूमके गरज रहे हैं
हाथी-सा मदमाए बादल
पीहा - पीहा करे पपीहा
सबकी प्यास बुझाएँ बादल
धरती कब से देख रही है
नभ में आस लगाए बादल
बड़े दिनों में आए बादल

■ राजा खुगशाल

### आओ शोर मचाएं

बड़ा मजा आता है हमको,
हम तो शोर मचाएंगे,
हमको पता है टीचर जी,
आकर डांट लगाएंगे।
करे न जरा शरारत कोई,
जरा नहीं शोर मचाएं।
चुप रहना है खेल बड़ों का,
हम कैसे समय बिताएं?

■ श्याम सुन्दर अग्रवाल

## • चुटकुला...

**सांता ने नया आईफोन खरीदा और बांता को दिखाने गया।**
**सांता : 'देख बांता, नया फोन! इसमें इतनी तगड़ी सिक्योरिटी है कि मेरे अलावा कोई इसे खोल नहीं सकता।'**
**बांता : 'अच्छा? अगर तू अपना पासवर्ड भूल गया तो?'**
**सांता : 'अरे तू भी ना बांता... मैंने बैकअप के लिए पासवर्ड दीवार पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिख दिया है!'**

**बांता : 'यार सांता, कल मेरे घर में चोर घुस आए।'**
**सांता : 'अच्छा! फिर क्या हुआ? कुछ ले गए क्या?'**
**बांता : 'नहीं यार, वो बेचारे अंधेरे में मेरा मोबाइल ढूंढ रहे थे। मैंने दया खाकर अपनी टॉर्च जला दी, बस फिर क्या... दोनों मिलकर हंसने लगे!'**

## • जानकारी...

### दुनिया के टॉप-5 अरबपति शहर

दुनिया में जब कभी भी अमीर लोगों और आलीशान शहर की बात होती है तो सबसे पहले दिमाग में लंदन या पेरिस का नाम सामने आता है। लेकिन अब वैश्विक अमीरी का भूगोल पूरी तरह से बदल गया है। अमीर शहरों के ताजा आंकड़ों ने सभी को हैरान कर दिया है। चलिए जानें कि कौन से शहर दुनिया में सबसे अमीर हैं और इसमें यूरोप और भारत के कितने शहर शामिल हैं।

ग्लोबल रिच लिस्ट के अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा अरबपतियों का घर होने का गौरव न्यूयॉर्क शहर के पास है, जहां 129 अरबपति रहते हैं। इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर ब्रिटेन का नाम शामिल है।

ब्रिटेन की राजधानी लंदन 97 अरबपतियों का ठिकाना है। इसके बाद चीन का दबदबा दिखाई देता है। जहां 92 अरबपतियों के साथ शंघाई तीसरे और 91 अरबपतियों के साथ बीजिंग चौथे नंबर पर है।

वहीं इस लिस्ट में पांचवा नाम भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई का भी है। मुंबई 90 अरबपतियों के साथ दुनिया में पांचवें नंबर पर चमक रही है, जिसने पेरिस को भी टॉप-10 से बाहर कर दिया है।

मुंबई को शुरू से ही भारत का आर्थिक इंजन माना जाता है, लेकिन अब इसने एक ग्लोबल फाइनेंशियल सेक्टर के रूप में अपनी पहचान बना ली है। देश का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट घराना, शेयर बाजार, बड़े सरकारी और निजी बैंक और वित्तीय संस्थाएं इसी शहर से संचालित होती हैं।

पेरिस को दुनिया की फैशन कैपिटल और यूरोप का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र माना जाता है। वहां दुनिया के सबसे महंगे और आलीशान लग्जरी ब्रांड्स, नामी फैशन हाउस और मल्टीनेशनल कंपनियों के हेडक्वॉटर शामिल हैं।

लेकिन फिर भी इस लिस्ट में पेरिस मुंबई से पीछे रह गया है। अगर जनसंख्या के लिहाज से तुलना करें तो मुंबई, पेरिस से भी बड़ा है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार मुंबई नगर निगम की सीमा में 1.25 करोड़ लोग रहते हैं।

वहीं पेरिस की मुख्य आबादी सिर्फ 21 लाख है और यह सिर्फ 105 वर्ग किलोमीटर के दायरे में है। मुंबई के साथ-साथ भारत की राजधानी दिल्ली ने भी टॉप-10 अमीर शहरों की लिस्ट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है. यहां इस वक्त 63 अरबपति रह रहे हैं।

## • तेनालीराम की कहानी

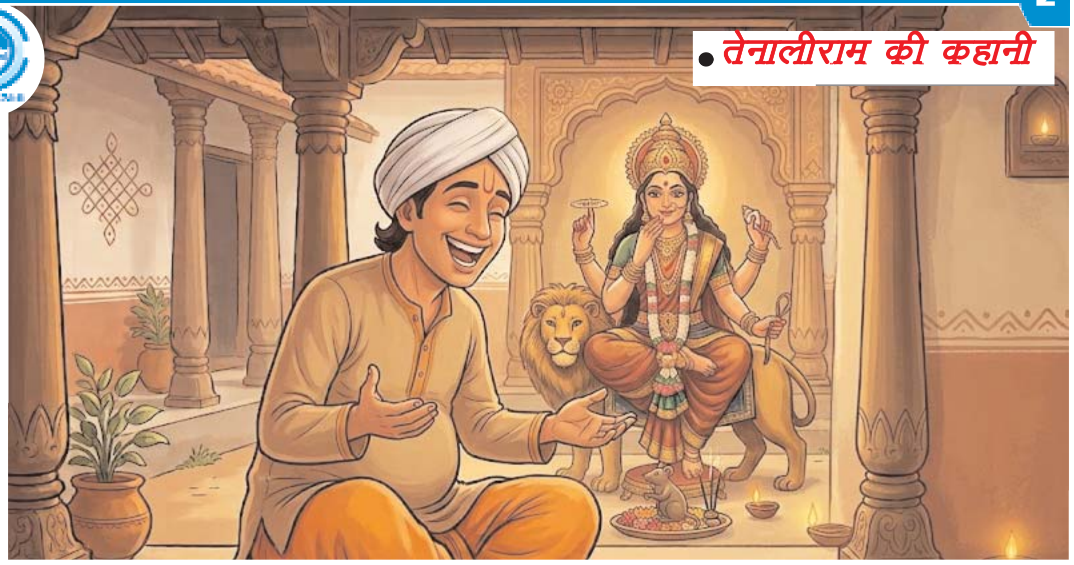

### अच्छा, तू मां से भी मजाक करेगा?

**रामलिंगम भीतर गया तो मां दुर्गा की अद्भुत मूर्ति देखकर मुग्ध रह गया। मां के मुख-मंडल से प्रकाश फूट रहा था। रामलिंगम की मानो समाधि लग गई।**

**फिर उसने दुर्गा माता को प्रणाम किया और चलने लगा। तभी अचानक उसके मन में एक बात अटक गई। मां दुर्गा के चार मुख थे, आठ भुजाएं थीं। इसी पर उसका ध्यान गया और अगले ही पल उसकी बड़े जोर से हंसी छूट गई...**

**गतांक से आगे...**

उस मंदिर की मान्यता थी और दूर-दूर से लोग वहां मां दुर्गा का दर्शन करने आया करते थे।

रामलिंगम भीतर गया तो मां दुर्गा की अद्भुत मूर्ति देखकर मुग्ध रह गया। मां के मुख-मंडल से प्रकाश फूट रहा था। रामलिंगम की मानो समाधि लग गई। फिर उसने दुर्गा माता को प्रणाम किया और चलने लगा। तभी अचानक उसके मन में एक बात अटक गई। मां दुर्गा के चार मुख थे, आठ भुजाएं थीं। इसी पर उसका ध्यान गया और अगले ही पल उसकी बड़े जोर से हंसी छूट गई।

देखकर मां दुर्गा को बड़ा कौतुक हुआ। वे उसी समय मूर्ति से बाहर निकलकर आईं और रामलिंगम के आगे प्रकट हो गईं। बोलीं, ''बालक, तू हंसता क्यों है?''

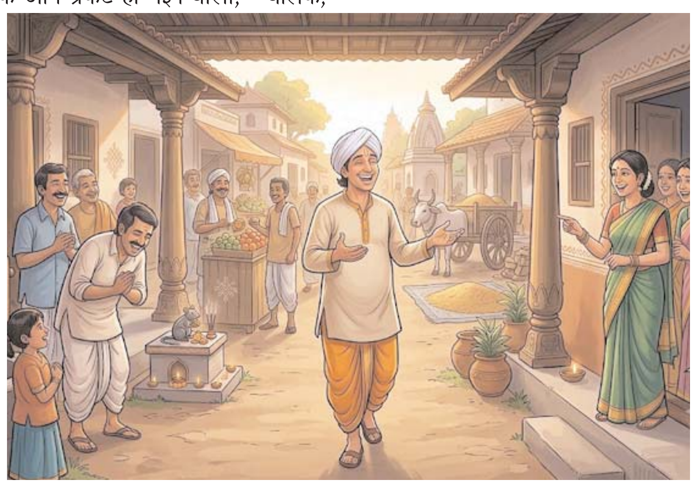

रामलिंगम मां दुर्गा को साक्षात सामने देखकर एक पल के लिए तो सहम गया। पर फिर हंसते हुए बोला, ''क्षमा करें मां, एक बात याद आ गई, इसीलिए हंस रहा हूं।''

''कौन सी बात? बता तो भला!'' मां दुर्गा ने पूछा।

इस पर रामलिंगम ने हँसते-हँसते जवाब दिया, ''मां, मेरी तो सिर्फ एक ही नाक है पर जब जुकाम हो जाता है तो मुझे बड़ी मुसीबत आती है। आपके तो चार-चार मुख हैं और भुजाएं भी आठ हैं। तो जब जुकाम हो जाता होगा, तो आपको और भी ज्यादा मुसीबत...!'' रामलिंगम की बात पूरी होने से पहले ही मां दुर्गा खिलखिलाकर हंस पड़ीं। बोलीं, 'हट पगले, तू मां से भी मजाक करता है!''

फिर हंसते हुए उन्होंने कहा, ''पर आज मैं समझ गई हूं कि तुझमें हास्य की बड़ी अनोखी सिद्धि है। अपनी इसी सूझ-बूझ और हास्य के बल पर तू नाम कमाएगा और बड़े-बड़े काम करेगा। पर एक बात याद रख, अपनी इस हास्य-वृत्ति का किसी को दुख देने के लिए प्रयोग मत करना। सबको हंसाना और दूसरों की भलाई के काम करना। जा, तू राजा कृष्णदेव राय के दरबार में जा। वही तेरी प्रतिभा का पूरा सम्मान करेंगे।''

उस दिन रामलिंगम दुर्गा मां के प्राचीन मंदिर से लौटा, तो उसका मन बड़ा हल्का-फुल्का था। लौटकर उसने मां को यह अनोखा प्रसंग बताया। सुनकर मां चकित रह गईं।

और फिर होते-होते पूरे तेनाली गांव में यह बात फैल गई कि रामलिंगम को दुर्गा मां ने बड़ा अद्भुत वरदान दिया है। यह बड़ा नाम कमाएगा और बड़े-बड़े काम करेगा। उसके साथ ही साथ तेनाली गांव का नाम भी ऊंचा होगा।

■ प्रकाश मनु

## • रोचक...

### सोना

*सोना दूसरी ज्यादातर धातुओं से अलग तरह से व्यवहार करता है। सभी विजिबल रंगों को रिफ्लेक्ट करने के बजाय सोना नीली और बैंगनी वेवलेंथ के एक बड़े हिस्से को सोख लेता है। यह लाल, नारंगी और पीली वेवलेंथ को हमारी आंखों तक वापस रिफ्लेक्टर करता है। इन रिफ्लेक्ट हुए रंगों के मेल से सोने को पीला रंग मिलता है। सोने का एटॉमिक नंबर 79 है। इसका मतलब है कि सोने के हर एटम के न्यूक्लियस में 79 प्रोटॉन होते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि न्यूक्लियस काफी भारी होते हैं इस वजह से इसके सबसे करीब वाले इलेक्ट्रॉन काफी मजबूत अट्रैक्टिव फोर्स को महसूस करते हैं। यह अंदरूनी इलेक्ट्रॉन काफी ज्यादा तेज रफ्तार से घूमते हैं। यह रोशनी की रफ्तार के लगभग आधे तक पहुंच जाते हैं। इतनी ज्यादा रफ्तार पर अल्बर्ट आइंस्टीन की रिलेटिविटी की थ्योरी से बताए गए असर काफी ज्यादा जरूरी हो जाते हैं। रिलेटिविटी के मुताबिक काफी ज्यादा रफ्तार से चलने वाले पार्टिकल असल में ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे उनका मास बढ़ गया हो।*

## • शॉर्ट सर्किट...

*शॉर्ट सर्किट ऐसी स्थिति होती है, जब बिजली अपने तय रास्ते के बजाय कम प्रतिरोध वाले किसी दूसरे रास्ते से बहने लगती है। आमतौर पर यह तब होता है, जब दो तार आपस में संपर्क में आ जाते हैं। वायरिंग की इंसुलेशन खराब हो जाती है या किसी डिवाइस में खराबी आ जाती है। ऐसी स्थिति में अचानक बहुत ज्यादा करंट बनने लगता है, जिससे तार तेजी से गर्म हो जाते हैं। अगर समय रहते समस्या का पता ना चले, तो इससे आग लगने, डिवाइस खराब होने और जान माल के नुकसान का खतरा भी बढ़ जाता है।*